उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह अगस्त, 2020

माननीय उच्च शिक्षा शिक्षा मंत्री द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का निरीक्षण

दिनांक 02 अगस्त, 2020 को मा0 उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत जी द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा विश्वविद्यालय का भवन निर्माण कर रही एजेंसी उत्तर प्रदेश निर्माण निगम के अधिकारियों को शीघ्र भवन निर्माण कर हस्तांतरण की प्रक्रिया करने हेतु निर्देशित किया गया ।

मा0 मंत्री जी द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो के 'हैलो हल्द्वानी' में भी उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की।

परीक्षा

- केन्द्र/राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के नियमों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2020 से केवल अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। दिनांक 14 सितम्बर 2020 से 12 अक्टूबर 2020 तक आयोजित होने वाली परीक्षा हेतु मुख्या परीक्षा में 12,546, बैक परीक्षा में 2,777 एवं सुधार परीक्षा में 121 (कुल 15,444) परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।
- उक्त परीक्षा हेतु कुल 51 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है।

- सितम्बर माह में प्रस्तावित परीक्षाओं का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम, परीक्षा हेतु आवश्यक सूचना एवं कोविड–19 के तहत परीक्षा आयोजन हेतु राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों को विश्वविद्यालय की वैबसाइट में एवं समस्त अध्ययन केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयों को ईमेल के माध्यम से सूचना प्रेषित की गई तथा परीक्षा के आयोजन हेतु समय–समय पर परीक्षा केन्द्रों से सम्पर्क कर सूचना प्राप्त/प्रदान की जा रही है।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा (मुख्य परीक्षा/प्रयोगात्मक परीक्षा परीक्षा/परियोजना कार्य) जून/दिसम्बर 2019 से संबधित परीक्षा केन्द्रों से प्राप्त समायोजन बिलों वित्त अनुभाग में प्रेषित किये जा चुके है शेष अन्य समायोजन बिलों में कार्य गतिमान है। अप्राप्त बिलों के संबंध में परीक्षा कन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ईमेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- अगस्त माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 605 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, संस्कृत–ज्योतिष विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन हेतु द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेब संगोष्ठी का आयोजन

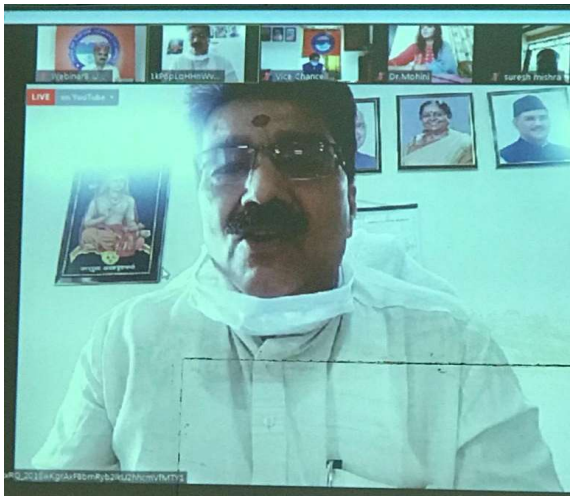

दिनांक 06 एवं 07 अगस्त 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, संस्कृत–ज्योतिष विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन हेतु द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेब **संगोष्ठी विषय – व्याधियों की चिकित्सा व निदान में ज्योतिष शास्त्र की प्रासंगिकता''** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम मंगलाचरण से कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ तदोपरान्त विषय उपस्थापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. देवेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफे0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के संरक्षण में यह संगोष्ठी सम्पन्न हुई। स्वागत भाषण प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक , मानविकी विद्याशाखा जी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफे0 प्रेम कुमार शर्मा जी ने ''पूर्व जन्म कृतं पापं व्याधि रूपेण जायते'' अर्थात् पूर्व जन्म में किए गए पाप इस जन्म में व्याधि के रूप में हमें परेशान करते हैं इस प्रकार कहते हुए ज्योतिष शास्त्र में लक्षण और निदान दोनों प्रकार का वर्णन कहां मिलता है आयुर्वेद शास्त्र के अनुसार मिथ्या आहार विहार से रोग की उत्पत्ति होती है रोग का होना कर्म प्रकोप से होता है। वीरसिंहावलोकनम् नामक पुस्तक में तीन प्रकार के रोगों से निदान बताया गया है शारीरिक व्याधि का निदान देव बल से और मानसिक व्याधि का निदान ज्ञान विज्ञान से संभव हो सकता है। तथा राशियों के प्रभाव उनके स्वभाव लक्षण भी बताया ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रह योग से रोगों पर विचार किया जाता है ज्योतिष, योग, आयुर्वेद शास्त्र यह तीनों रोगों के उपचार में सहयोग होते हैं।

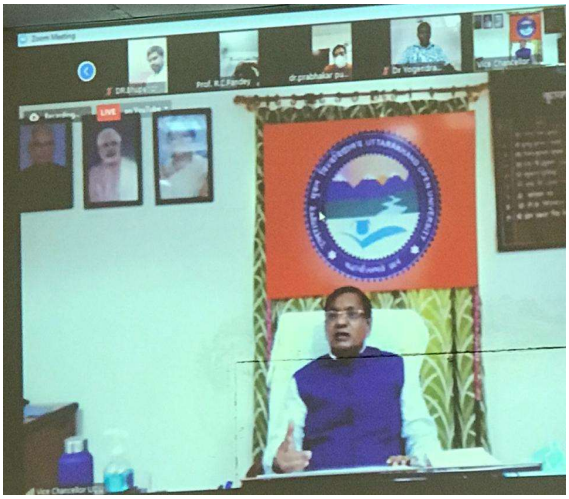

उद्घाटन सत्र कि अध्यतक्षता डॉ0 धीरेन्द्र झा, अखिलभारती, संस्कृतप्रमुख जी ने ''ज्योतिषां नयनं चक्षु'' ज्योतिष को नेत्र रूप में जाना जाता है। इसके प्रमुख 18 प्रवर्तक हैं जिन्होंने इस ज्ञान को हम तक पहुंचाया ज्योतिष शास्त्र में विभिन्न प्रकोपों का निदान– रत्नादि जपादि से बताया गया है।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 श्री विशाल त्रिपाठी जी ने रोगों के निदान को विस्तार से वताते हुवे रोगों को सात भागोंमें विभक्त कर इन्हें हम जान पाते है। दोष साम्य व धातु साम्य रोग निदान में सर्वाधिक उपयोगी है।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 देशबन्धु शर्मा, जी ने रोगोंत्पत्ति के कारण लक्षणों की बात की व शरीर के इंद्रिय अंगों व मानसिक व्याधियों की चर्चा की।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 योगेन्द्र कुमार शर्मा जी ने रोगों के विषय में विस्तार से व्याख्यान दिया। विशिष्ट वक्ता डॉ0 प्रवेश व्याश जी ने यम नियम प्राणायाम से रोग निदान व जीव ब्रह्मांड के मध्य स्थापत्य और प्रकृति की चर्चा की साथ ही चिकित्सा ज्योतिष में ज्योतिष शास्त्र की वैज्ञानिकता का सार रुप में प्राच्य पतिच्य दृष्टिकोण से अपने वक्तव्य में विस्तार से निदान समाधान रूप में व्याख्यान दिया।

इस अवसर में अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ0 योगेन्द्र कुमार तिवारी (ने0 पी0जी0 का0 गोरखपुर) जी ने किया। संगोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापन डा0 प्रभाकर पुरोहित जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया।

दिनांक–07/08/2020 को स्वागत भाषण प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा जी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफे0 राम चंद्र पांडे जी ने (पूर्व संकाय प्रमुख संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय काशी विश्वविद्यालय वाराणसी) जी ने कहां की ज्ञान प्राप्त करने के लिए निर्अभिमान होकर एक दूसरे से जुड़कर मंथन करना होगा । ज्योतिष में अनुसंधान करने पर जोर दिया एवं आयुर्वेद व ज्योतिष एक दूसरे के पूरक हैं इसका अध्ययन वर्तमान में अत्यंत आवश्यक है एवं वहीं वर्तमान परिपेक्ष में हो रही बीमारियों की चर्चा करते हुए मृत्यु को एक सो एक प्रकार की बताते हुए उनमें से एक मृत्यु एवं अन्य आगंतुक मृत्यु के रूप में होती हैं इस प्रकार कहा साथ ही शोध की प्रवृत्तियों के बारे में भी चर्चा कर विभिन्न राशियों का सौरमंडल में पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की ज्ञान को और पुष्ट करने के लिए हमें अन्य विषय विशेषज्ञों का सहयोग लेना होगा इस प्रकार की भावना के साथ आपका आशीर्वाद हम सब को प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन माननीय कुलपति प्रोफे0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के किया और कहां की हमें अपने विषय के साथ–साथ अन्य विषयों को भी तकनीकी रूप से जानना होगा जिससे हम समृद्ध भारत की कल्पना कर सकते हैं। हमें भारतीय संस्कृति की अवधारणा को धारण करना होगा।

उद्घाटन सत्र में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ गगन सिंह जी के द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक , मानविकी विद्याशाखा जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संयोजक भगवती प्रसाद राघव जी, विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक गण आदि उपस्थित रहे।

इस वेबिनार में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गगन सिंह, डॉ. जटाशंकर तिवारी, डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. नीरज जोशी, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ0 राकेश रयाल, व्रजेश बनकोटी, भरत नैनवाल, विभू काण्डपाल आदि उपस्थित रहें। वेबीनार में तकनीकी सहायक राजेश आर्या एवं विनीत पौडियाल जी ने अपना सहयोग दिया।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 का शैक्षणिक कलैण्डर जारी कर दिया गया था। इसके तहत् विश्वविद्यालय में 1 जुलाई, 2020 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- दिनांक 31/08/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक कुल 19,922 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है। प्रवेश की अन्तिम तिथि दिनांक 15/09/2020 तक तथा विलम्ब शुल्क के साथ दिनांक 30/09/2020 तक विस्तारित किये गये है।

• आत्मनिर्भर भारत पर अन्तराष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16 अगस्त 2020 को एक दिवसीय आत्मनिर्भर भारत पर अन्तराष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन किया गया था। बेबिनार का विषय था प्राकृतिक भोजन के लिए प्राकृतिक खेती।

इस कार्यक्रम में अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की थी अपने अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो0 नेगी ने कहा कि प्रकृति के साथ तालमेल से ही हम स्वस्थ रह सकते हैं और प्रकृति के साथ तालमेलयुक्त पद्धति से की जाने वाली कृषि ही हमें शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक भोजन प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए 6 महीने के पाठ्यक्रम बनाएगा।

राष्ट्रीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सी. ई. ओ. डॉ जे. एल. एन. शास्त्री ने बताया पादप बोर्ड ने 5 राज्य जो गंगा के किनारे 1024 गांव पहचाने है 810 हेक्टेयर में 15 जड़ी बूटियों उगाएंगे। और हमारी कोशिश होगी जो किसान गांव पहुंच गए है उनको वापस नहीं जाने देना। बेगूसराय बिहार के एक जैविक किसान श्री कुंदन कुमार ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार उसने रासायनिक खेती को त्यागकर जैविक कृषि प्रारंभ और इससे किस प्रकार उसके जीवन की दिशा बदली। श्री कुंदन ने बताया कि जैविक कृषि से उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई और अभी वे ओषधि पोधो की खेती कर रहे है।

योग प्रशिक्षक वेल्जियाम, यू के से डॉ0 धीरज प्रताप जोशी ने जोर देकर कहा प्राकृतिक खेती हमारी धरोहर है जिसे सहेजना, संयोजना एवम् प्रचार करना है यह समग्र विचार ही भारतीय संस्कृति का आधार है।

डॉ भानु प्रकाश जोशी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम के सूत्रधार डा. नवदीप जोशी ने विषय की प्रस्तावना रखी। डा. जोशी ने कहा कि शुद्ध भोजन के लिए खेती को रासायनिक खाद, कीटनाशकों एवं खरपतवारनाशकों से मुक्त करना होगा। आत्म निर्भर भारत को बढावा देते हुए हमें किसानों का सहयोग करना एवम् अपने अंदर के किसान को जाग्रत करना होगा। वेबनार में जूम एवम् फेसबुक पेज में 1000 से अधिक लोग उपस्थति रहे।

शोध एवं नवाचार (Research and Develepment)

मानविकी विद्याशाखा के शोधार्थी श्री नरिंदर शर्मा, (नामांकन संख्या–13040486), की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा, शोध शीर्षक **"Underpinnings of Gandhian Through on Raja Rao's Vission of India: A Critical Study of Select Texts"** के अर्न्तगत, दिनांक **10 अगस्त 2020** (सोमवार) को ऑन–लाइन प्रक्रिया (जूम ऐप) के माध्यम से सम्पन्न करा ली गयी हैं।

पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 में ऑन–लाइन आवेदन किये जाने हेतु सूचना विश्वविद्यालय वेबसाइड में **दिनांक 24 अगस्त 2020** को अपलोड कर दी गयी है। पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 में ऑन–लाइन आवेदन किये जाने हेतु आवेदन की **अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2020** निर्धारित की गयी है।

विश्वविद्यालय में दिनांक **28 अगस्त 2020** को पूर्वाह्न 11:30 बजे **"डिजिटल एथोग्राफी के माध्यम से कोविड के दौरान अनुसंधान"** पर एक वेबिनार ऑन–लाइन प्रक्रिया (जूम ऐप) के माध्यम से आयोजित कराया गया। जिसमें डीन (शिक्षाविद) प्रोफेसर के0 एम0 बहरूल इस्लाम, काशीपुर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किये गये।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए ''कोविड के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से अनुसंधान के बारे में एक दिनी वेबिनर का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अनुसंधान और नवाचार निदेशालय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए ''कोविड के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से अनुसंधान के बारे में एक दिनी वेबिनर का आयोजन किया गया, वेबिनर में मुख्य वक्ता प्रोफेसर के एम बहरुल इस्लाम डीन (शिक्षाविद) और प्रोफेसर IIM काशीपुर ने कोविद के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से किस प्रकार शोध किया जाय इसके बारे में विस्तार से चर्चा की।

डा0 मंजरी अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रस्तुत किया , अनुसंधान और नवाचार निदेशालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे द्वारा सभी लोगों का स्वागत किया गया द्य धन्यवाद प्रस्ताव कार्यक्रम अनुसंधान और नवाचार निदेशालय के सहायक निदेशक डा. वीरेन्द्र कुमार द्वारा दिया गया। विश्वविद्यालय के अकादमिक परामर्शदाता व अन्य सभी शिक्षकों द्वारा वेबिनार में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुधीर पंत ने किया तथा तकनीकी सहायता बालम दफौटी द्वारा प्रदान की गयी।

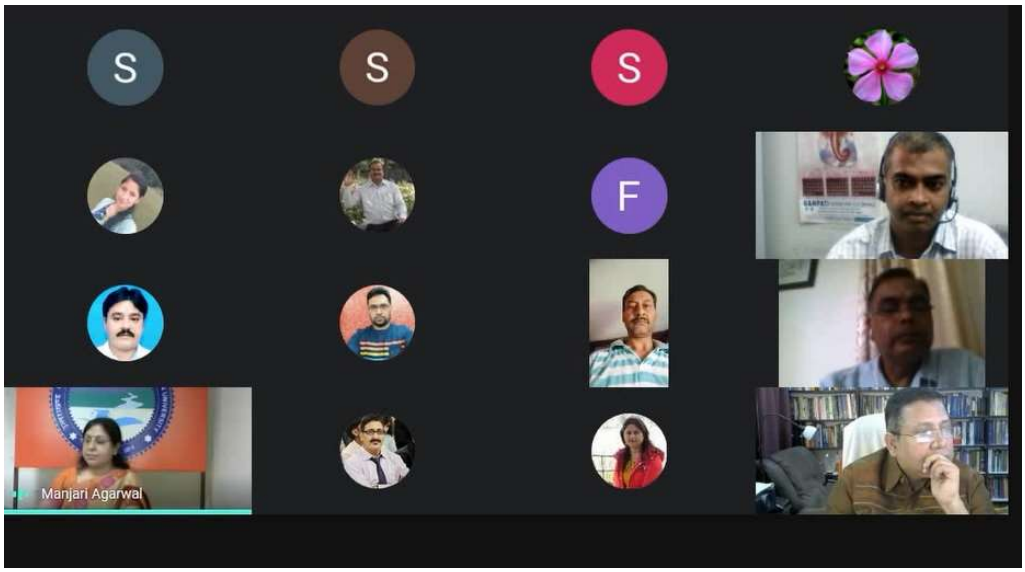

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2020 तथा सत्र 2020–21 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (July 2020)

Total Students	22054
Regional Centre	**Issued Books**
12 Roorkee	4
16 Haldwani	48
17 Ranikhet	1
Books Packed/Dispatched For	53

Book Distribution Status Previous Session (JANUARY-2020)

Total Students	9705
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3122
12 Roorkee	1188
14 Pauri	492
15 Uttar Kashi	445
16 Haldwani	2494
17 Ranikhet	920
18 Pithoragarh	399
19 Bageshwar	233
Books Packed/Dispatched For	9293

अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- 15 अगस्त को देश के 74वें स्वतंन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति द्वारा झण्डारोहण तथा संबोधन के उपरांत, कुलपतिजी सहित निदेशकों, शिक्षकों अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया।

- दिनांक 7 अगस्त, 2020 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा "Transformational Reforms in Highr Education" पर आयोजित कॉन्क्लेव में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 17 अगस्त, 2020 को AIU द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें श्री कैलाश सत्यार्थी, नोबल शांति पुरस्कार विजेता द्वारा Foundation Day Lecture दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय थे। प्रो0 डी0पी0 सिंह, अध्यक्ष, विश्वाविद्यालय अनुदान आयोग भी उपस्थित थे।

- **Dr. Manjari Agarwal-** Attended a Symposium on Happiness@Work organized on August 7, 2020 by IGNOU and Indian Psychiatric Society and Organized, Coordinated and Participated in One-day Webinar on 'Research during Covid through Digital Ethnography' on 28th August, 2020. Directorate of Research and Innovation of Uttarakhand Open University, Haldwani hosted a Webinar on 'Research during Covid through Digital Ethnography for the learners enrolled in Ph.D. Programme on 28th August, 2020 through GoogleMeet platform. Recorded and Submitted a Video Lecture on 'Impact Matrix' for a course offered by IGNOU for SWAYAM Portal.

- **Dr. Gagan Singh**- तैयार की गई पीपीटी की संख्या :12

University of Mumbai, Institute of Distance and Open Learning (IDOL) in association with Indian Distance Education Association (IDEA) & Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA) द्वारा आयोजित 24th IDEA NATIONAL CONFERENCE में प्रतिभाग किया|

➢ **डॉ मदन मोहन जोशी (इतिहास विभाग)**

1- एक शोध पत्र शीर्षक 'उत्तराखण्ड में शैव धर्म एवं शैव धर्म–स्थलों का अध्ययन' पियर रिव्यूड शोध पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेजा है।

2- आर० आर० इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीस , बंगलौर द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के FDP 'न्यू नरेटिव ऑफ नाक' में एक अगस्त से सात अगस्त तक प्रतिभाग किया गया।

➢ **डॉ नीरजा सिंह (समाज कार्य विभाग)**

1. क्षेत्र कार्यों के अंतर्गत द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के क्षेत्र कार्यों का मूल्यांकन किया गया।
2. एम0 एस0 डब्लू0 चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को एन0 जी0 ओ0 के माध्यम से वेबिनार में सहभागिता कराई गई तथा आगामी परीक्षा की तैयारी की जा रही हैं।

➢ **डॉ घनश्याम जोशी (लोक प्रशासन विभाग)**

1. 6 और 7 अगस्त को संस्कृत एंव ज्योतिष विद्याशाखा द्वारा आयोजित द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय अन्तर्जालीय वेब संगोष्ठी 'व्याधियों की चिकित्सा व निदान में ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता' में प्रतिभाग।
2. दिनांक 30 अगस्त 2020 को 'म्येरू पहाड़' द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान 'उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक परम्पराएँ और गौरवशाली इतिहास' में प्रतिभाग।

➢ **डॉ. शालिनी चौधरी (अर्थशास्त्र विभाग)**

1. एम.ए. 2020 सेमेस्टर प्रणाली के लिए एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की पुस्तक एम.ए.ई.सी.506 "मुद्रा और बैंकिंग" की पुस्तक की 10 इकाईयों का टंकण कार्य उपरान्त पुस्तक का सम्पादन कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करने के बाद प्रिंट्रिंग विभाग को उपलब्ध कराया।

➢ **डॉ. नन्दन कुमार तिवारी**

1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 एवं 20 अगस्त 2020 को विषय विशेषज्ञ के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) के ज्योतिष विभाग में आचार्य (एम.ए.) चतुर्थ सेमेस्टर (गणित ज्योतिष) तथा आचार्य (एम.ए.) द्वितीय सेमेस्टर (फलित ज्योतिष) के छात्रों की ऑनलाइन मौखिकी परीक्षा (VIVA) ली गयी।
2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 24 अगस्त 2020 को कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "Transformation of Sanskrit Varsities" विषयक एकदिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
3. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2020 को स्वर्णिम माटी फेसबुक पटल पर ''प्राच्यविद्या और पर्यावरण'' विषय पर ऑनलाइन लाइव व्याख्यान दिया।
4. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2020 को ज्ञानभूमि चौनल के फेसबुक पटल पर ''स्वप्न विद्या'' विषय पर ऑनलाइन लाइव व्याख्यान दिया गया।

➢ **डॉ नमिता वर्मा, अकादमिक परामर्शदाता**

1. RRIAS बैंगलोर द्वारा आयोजित 'New Narrative of NAAC Organization' सात दिवसीय National E-FDP कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
2. Karnatak State Akkamahadevi Womens University, Torvi, Vijaypura द्वारा आयोजित" Covid-19 Outbreak and beyond – Mental health and well being of students." विषयक एक दिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया।

➢ **डॉ सीता, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान**

1. MHRD, शिक्षण अध्यन केन्द्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14/08/20 से 28/08/20 तक आयोजित ''उच्च शिक्षा के विकासक्रम में आईसीटी की अवधारणा'' मैसिव ओपन ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
2. 21.08.2020 को (बजे 7 बजे से 5 सायं)Community Psychology Association of India (Kushinagar) U. P. द्वारा आयोजित 'Global Awareness of Diabetes Prevention and Management and Channelizing Energy of preadolescents through intervention: Sharing of Experiences' में प्रतिभाग।
3. 24.08.2020 को Community Psychology Association of India (Kushinagar) U. P. द्वारा आयोजित वर्चुअल व्याख्यान 'Problems of Mentally Retarded Children and Strategies for Management of Irrational fear' में प्रतिभाग।

- **Dr. Jatashankar Tiwari** participated in five day Faculty Development Programme on ICT enabled Research During COVID Pandemic, 17th - 21st August, 2020 organised by Staff Training and Research Institution of Distance Education (STRIDE), IGNOU. Certificate is attached herewith.
- **Mr. Mohd Akram:** Engaged in the virtual geography workshop and special geography lectures for learners enrolled in Post Graduate programmes, organized by the Department of Geography and Natural Resource Management w.e.f. July 27-August 02, 2020.

  एम० ए०/एम० एस० सी० भूगोल की इकाई "Drainage pattern and system" के लेखन कार्य।

  Attended the one-day National Online Workshop on theme- "Mountain Geo-hydrology", organised by Department of Geography, Dr. Nitya Nand Himalayan Research and Study Centre, Doon University, Dehradun on August 08, 2020.
- **Dr. Kalpana Patni Lakhera-**

  Participated in Webinar on. Research during covid on through Digital Ethnography Organised by Directorate of research and Innovation Uttarakhand Open University Haldwani 28 Aug. 2020 and,

  Submitted a research paper on,Technology Enabled learning during covid-19 -Prospect and challenges with special reference to Uttarakhand. for publication to Journal of Uttarakhand Academy of Administration (JUAAN),Nainital ISSN: 2582-5798 (Online).
- **Dr. Harish Joshi-** Participated in three days (5th – 7th August 2020) online virtual webinar on, "Climate Change, landslides and Safe Hill Area Development", organized by National Institute of Disaster Management, Ministry of Home Affairs, Govt. of India in collaboration with Dr. Raghunandan Singh Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital, Uttarakhand.
  Two research papers communicated for publication. The titles of paper are as follows:

i) Alien Plant Species (APS) and their Indigenous Uses: a Study from Nanda Devi Biosphere Reserve (NDBR), West Himalaya, India

ii) हिमालय की पारिस्थितिकीय सेवाएं, पर्यावरण असंतुलन एवं सुरक्षा के उपाय

विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। संलग्नक-क